राज्य का नाम	खरीफ, 94 कुल ईसीए आबंटन	30.9.94 तक संचयी उपलब्धता	रबी, 94-95 कुल ईसीए आबंटन	30.9.95 तक संचयी उपलब्धता
उड़ीसा	214.89	167.94	108.60	116.63
प0 बंगाल	337.77	347.60	552.83	553.21
आसाम+एनई स्टेट्स	94.53	76.58	83.68	89.32
लक्षद्वीप	0.00	0.00	0.12	0.12
अखिल भारत	8381.14	8442.19	10109.26	10274.55

कपास की फसल में कीड़ा

491. **श्री रामजीलाल** : क्या कृषि मंत्री 8 दिसम्बर, 1995 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1241 क दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कपास की फसल के किन-किन कीड़ों के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों ने अनुसंधान किया है परन्तु फिर भी कपास की फसल उत्तरी भारत में कम होती जा रही है, और

(ख) क्या सरकार ने इस कीड़े से संबंधित कोई समिति गठित की है जिस पर किसी दवा का असर नहीं होता है, किसानों को होने वाले नुकसान को तुरन्त रोकने के लिए तैयार और जिसके संबंध में वैज्ञानिक अमेरिकन सुण्डी कह कर कोई ध्यान नहीं देते हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद अयूब खान) : (क) कपास की फसल पर कई नाशी जीवों का आक्रमण होता है जिससे इस फसल की उपज कम हो सकती है। इनमें गुले वाले कीड़े (भृंग) भी शामिल हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने इन नाशी जीवों के नियंत्रण के लिए अनेक व्यापक अनुसधांन किए हैं और ठोस समेकित नाशी जीव प्रबन्ध विधियां विकसित की हैं। तथापि देश के उत्तरी राज्यों में हाल में कपास की उपज में कमी का कारण असमान तथा अधिक वर्षा और प्रतिकूल मौसम है। जब मौसम संबंधी विपरीत परिस्थितियां फसल में फूल आने और गुले बनने के समय होती है तो इनका और भी प्रतिकूल प्रभाव होता है।

(ख) सरकार ने सभी महत्वपूर्ण फसलों, जिसमें कपास की फसल भी शामिल है, में नाशी जीवों की नियमित निगरानी के लिए नाशी जीव चौकसी दलों का गठन किया है, ताकि नाशी जीवों के नियंत्रण के लिए समय पर उपयुक्त उपाय अपनाये जा सकें। किसान-फील्ड स्कूलों के माध्यम से प्रसार कार्यकर्ताओं और किसानों को प्रदर्शन व प्रशिक्षण के द्वारा समेकित नाशी जीव प्रबन्ध का गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किये जाते हैं ताकि कपास की फसल को समेकित नाशी जीव प्रबन्ध को अपनाया जा सके।

अमेरिकी गुलों के कीड़ें (सुंडी) में कृत्रिम पाइरेथ्रॉइड के नाम से जाने जाने वाले रासायनिक नाशी जीव नाशियों के एक समूह के प्रतिरोधिता उत्पन्न हो गई है। इस समस्या के एक समूह के प्रतिरोधिता उत्पन्न हो गई है। इस समस्या के निपटने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और केन्द्र तथा राज्य सरकारों ने इन रसयानों के उपयोग को हतोत्साहित किया है और जैविक नियंत्रण एजेन्टों तथा जैविक नाशी जीव नाशियों के उपयोग पर जोर देते हुए समेकित नाशी जीव प्रबन्ध की प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया है।

Newspaper Report on Controlled Drugs List

492. SHRI H. HANUMANTHAPPA:
SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRI GOVINDRAM MIRI:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item in 'Financial Express' of 11th February,